नीला, नीला!

नर्सरी की तमिल कविता पर आधारित

आई लव इंडिया

कथा की 300एम थिंकबुक

आओ आओ, मेरे प्यारे चंदा,

चित्रः पिक्साबे के सौजन्य से

मेरे पास आओ, मेरे प्यारे चंदा।
Image Courtesy: Beststatus.org

Image Courtesy: Pixabay.com

Image Courtesy: Snappygoat.com

TADAA!

Image Courtesy: pixabay.com

जरा सोचो! अगर तुम चाँद पर झूला झूल पाते?
और हर पक्षी को पिंजरे से आजाद कर देते?

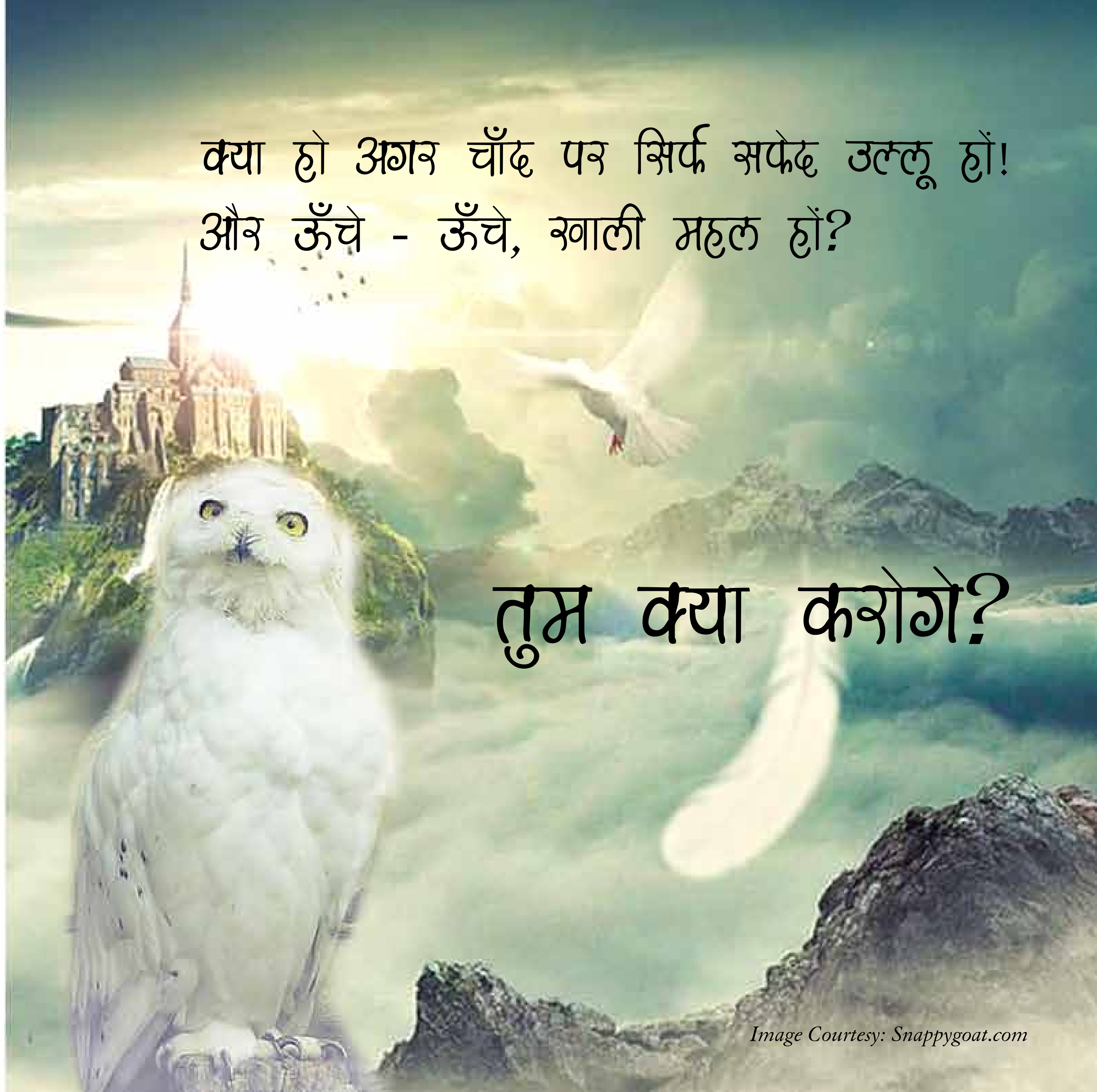

क्या हो अगर चाँद पर सिर्फ सफेद उल्लू हों!
और ऊँचे - ऊँचे, खाली महल हों?

तुम क्या करोगे?

Image Courtesy: Snappygoat.com

अगर तुम एक उड़ने वाले घोड़े होते,
जो चाँद पर जा सकता है
उस पर एक कहानी सुनाओ ...
जब मै चाँद पर उतरा ...
वह आईसक्रीम जैसा था?
दूध की खीर जैसा?
रसगुल्ले जैसा?

बड़ी सोच

चाँद एक बड़ा रहस्य है! उसके बारे में कितना कुछ है जो तुम खोज सकते हो! क्या तुम चाँद पर खोज करना चाहोगे? फोटो इंसान चाँद पर! क्या तुम उसके पीछे पृथ्वी को देख सकते हो? और क्या भारत देश को भी?

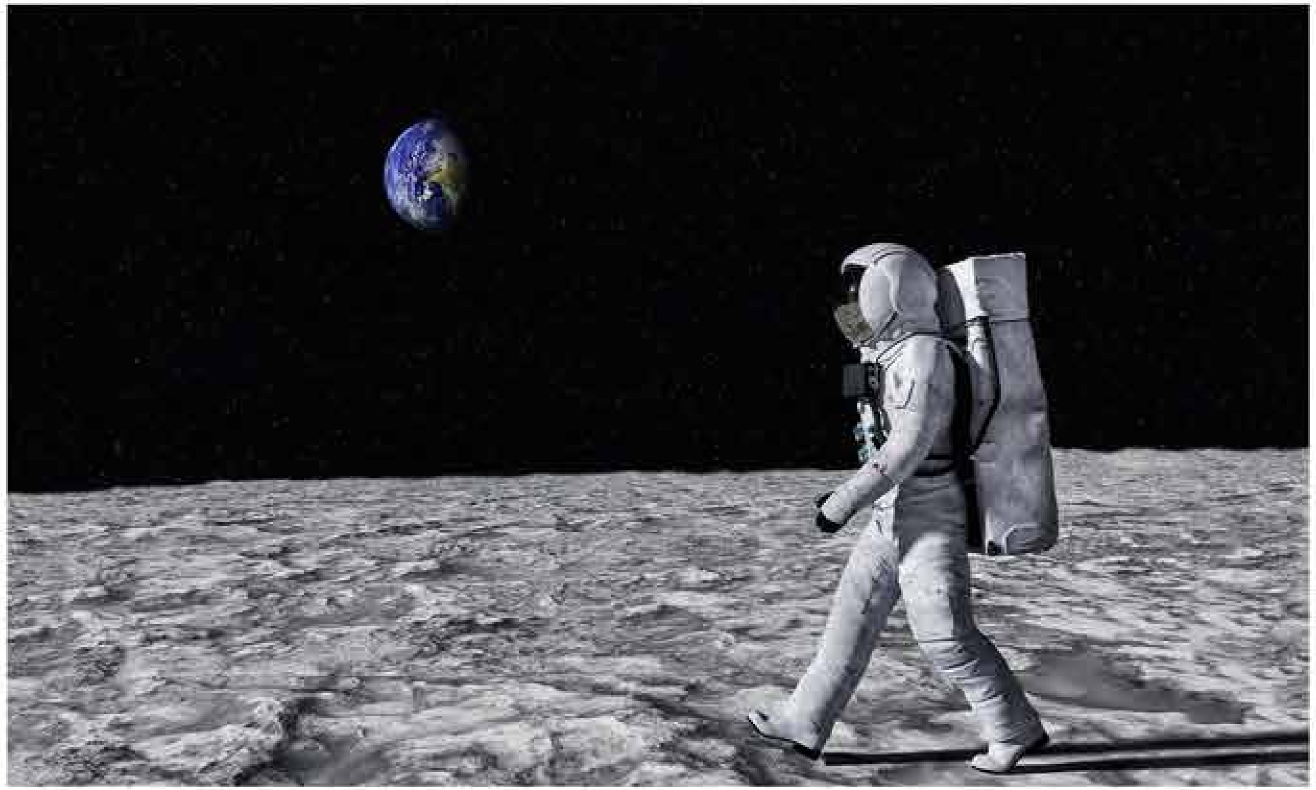

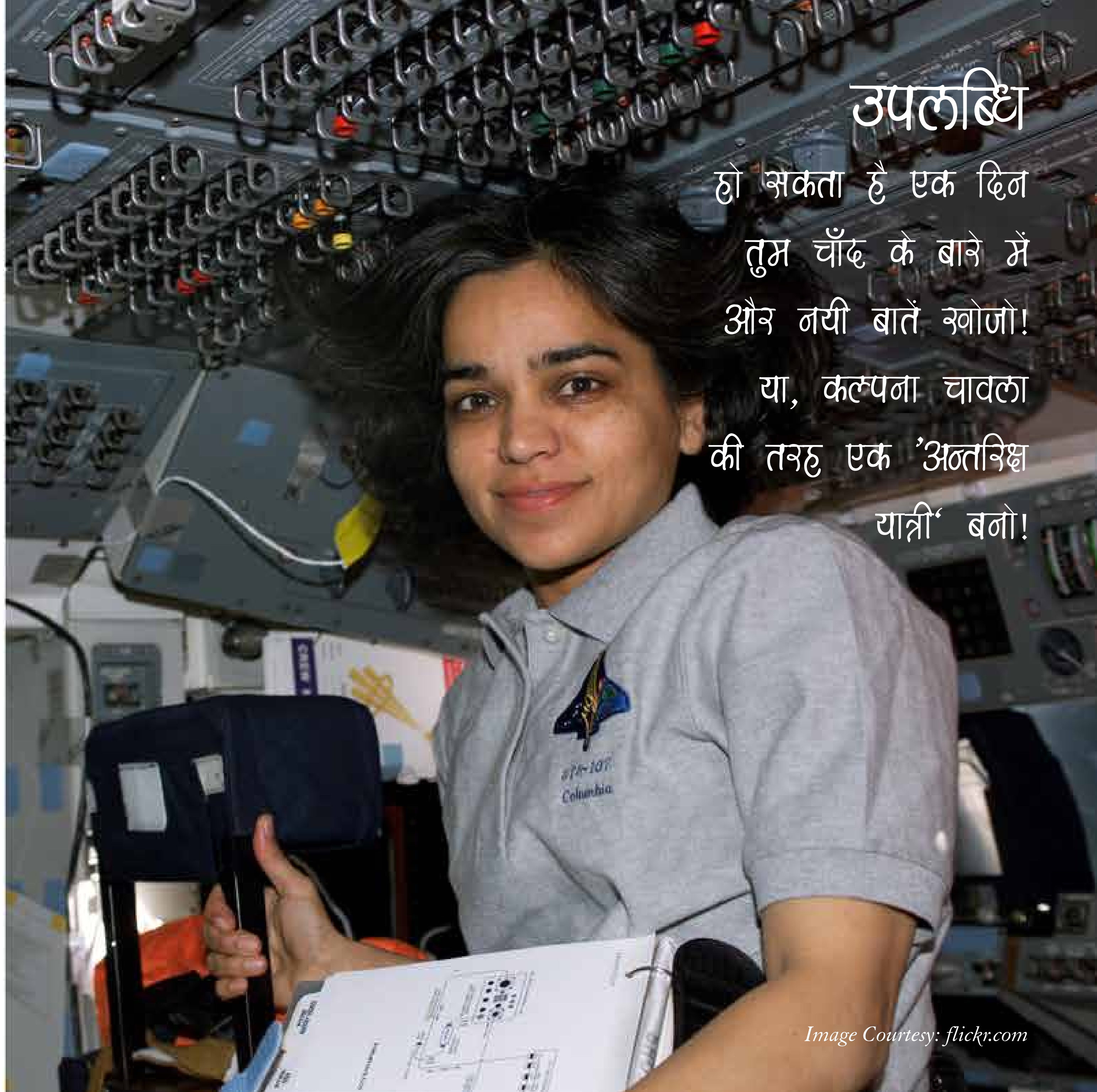

उपलब्धि

हो सकता है एक दिन
तुम चाँद के बारे में
और नयी बातें खोजो!
या, कल्पना चावला
की तरह एक ’अन्तरिक्ष
यात्री‘ बनो!

Image Courtesy: flickr.com

सोचो

अगर तुम चाँद तक उड़ सकते हो, तो क्या देखोगे?

पूछो

माँ से पूछो चाँद बड़ा-छोटा क्यों होता है?

चर्चा करो

चंद्र ग्रहण के दौरान क्या होता है?

करो

हर शाम, चाँद को देखो, उसका चित्र अपनी नोटबुक में बनाओ।

Image Courtesy: Pixabay.com

गीता धर्मराजन को बच्चों के लिए कहानियां लिखना पसंद है। वह बच्चों की पत्रिका टारगेट की सम्पादक थी। वह पेनसिलवेनिया विश्वविद्यालय की पत्रिका – पेनसिलवेनिया गैजेट की भी संपादक थी। उन्हें 2012 में शिक्षा और साहित्य के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने के लिए पद्म श्री से सम्मानित किया गया था।

फोटो pixabey] flickr-com] snappygoat-d,e से ली गयी हैं

कथा

कथा एक विश्व स्तर पर मान्यता प्राप्त गैर–लाभकारी संस्था है जो कि शिक्षा और साहित्य के क्षेत्र में सन् 1988 से काम कर रही है। गरीबी में रहने वाले बच्चों की शिक्षा को बढ़ावा देने का व उनके लिए विशेष किताबें बनाने का कथा के पास लगभग 30 साल का अनुभव है।

"भारत के मुकुट पर एक शैक्षिक हीरा!" **– नाओकी शिनोहरा, उपप्रबंध निर्देशक, आईएमएफ**

"कथा का काम इस विचार से प्रेरित है कि बच्चे अपने समुदायों में स्थायी बदलाव ला सकते हैं। जैसे कि बच्चे करते हैं (कथा की किताबों में)।" **– पेपरटाइगर्स**

"कथा बच्चों के लिए नर्म दिल है। तभी तो कथा बच्चों के लिए इतनी खूबसूरत किताबें बनाती है।" **– टाइम आउट**

"कथा दुनिया भर में उन रचनात्मक संगठनों के लिए एक उदाहरण है जो शहरों के सुधार के लिए काम करते हैं।"
– चार्ल्स लैंड्री, *द आर्ट ऑफ़ सिटी मेकिंग*

गीता धर्मराजन द्वारा बच्चों के लिए अनुवादित इस लोकगीत का अंग्रेजी में प्रतिपादन

पहला हिंदी संस्करण 2021
कृति स्वामित्व © कथा, 2021
लेखन कृति स्वामित्व © गीता धर्मराजन
फोटोग्राफ कृति स्वामित्व © कथा
स्वत्वाधिकार सुरक्षित। प्रकाशक की आज्ञा के बिना इस किताब के किसी भी भाग को छापना अथवा अन्य किसी पुनः प्रयोग विधि के रूप में प्रतिकृति या इस्तेमाल वर्जित है।
नयी दिल्ली द्वारा मुद्रित

हमारा लक्ष्य: हर बच्चा आनंद और अर्थवत्ता के लिए पढ़ें।

कथा एक पंजीकृत आलंभकारी संस्था है जिसकी स्थापना 1988 में किया गया था। कथा शिक्षा और साहित्य के क्षेत्र में काम करती है। कथा का मुख्य उद्देश्य है बच्चों और बड़ों में पढ़ने में रूचि एवं इससे मिलती खुशी को बढ़ावा देना। कथा 1,00,000 से भी अधिक बच्चों के साथ काम करती है ताकि वे मजे के लिए और कक्षा स्तर पर पढ़ सकें।

ए–3 सर्वोदय एन्क्लेव, श्री औरोबिन्दो मार्ग, नयी दिल्ली – 110017
दूरभाष: 4141 6600 - 4141 6624 - 4182 9998
इ–मेल: marketing@katha-org
वेबसाइट: www-katha-org | www-books-katha-org

इस किताब की बिक्री में मिली राशि का 10% बच्चों की शिक्षा के लिए कथा स्कूल को दिया जाएगा।
कथा नियमित रूप से उस लकड़ी के बदले पेड़ लगाती है, जिससे हमारी किताबों को छापने का कागज बनता है।

'I Love Reading' Library कथा की एक खास श्रृंखला है। यह नए और संकोची बच्चों को सहजता से पढ़ना सिखाती है। इसका पाठ्यक्रम अलग – अलग स्तर पर पढ़ने वाले बच्चों को ध्यान में रख कर बनाया गया है। यह बेहतरीन साहित्य और कला को भारत एवं दुनिया भर से एकत्रित कर बनायी गयी है। यह किताबें गीता धर्मराजन के 'StoryPedagogy' पर आधारित हैं। यह एक खास तरह का मॉडल है जो पहले स्कूल नहीं गए हुए बच्चों के लिए बनाया गया था। बच्चों को 'TADAA' (Think, Ask, Discuss, Act and Achieve) और 'बड़े विचारों' के द्वारा यह उनमें पढ़ने की खुशी और समझने की क्षमता बढ़ता है।

Katha's Holistic Early Learning (KHEL!) लैब सरकारी, निजी और गैर – लाभकारी विद्यालयों में कार्यशालाएँ कराती है। यह ऑनलाइन चलने वाली कार्यशालाएँ हैं। इसमें शिक्षकों, विद्यालय प्रबंधकों और स्वयं सेवकों को प्रमाण पत्र भी दिया जाता है।
अधिक जानकारी के लिए 300m@katha-org पर जाएँ।

यह सभी आई.एल.आर किताबें हैं इसकी वाइलिट श्रृंखला में आनंद और समझने के लिए पढ़ो

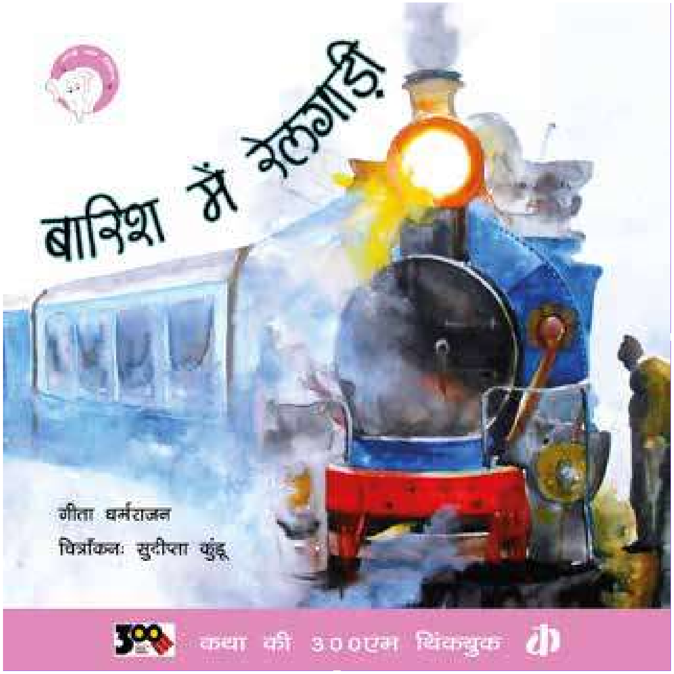

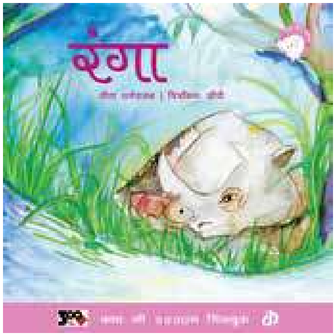

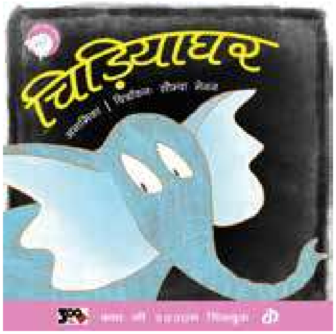

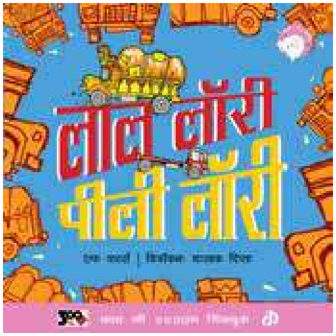

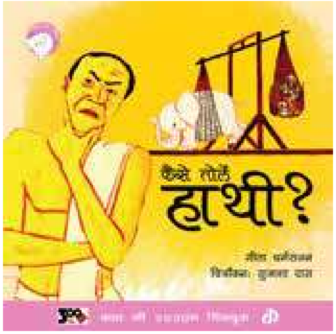

FOR OUR BOOKS

www.books.katha.org

"An institution in the world of Indian literature."
— The Business Standard

for children
a katha book
ISBN 978-93-88284-81-3
9 789388 284813
www.katha.org
₹ xxx